

**खलकत स्त्री.** (अर.) 1. सृष्टि 2. भीड़, झुंड 3. जन साधारण, जनता।

**खलकना अ.क्रि.** (अनु.) 1. खलखल ध्वनि करना 2. छलकना, बहना।

**खलता स्त्री.** (तत्.) दुष्टता, नीचता, खल होने का भाव या क्रिया पुं. (देश.) सिपाहियों का वह थैला जिसमें वे अपना जरूरी सामान रखते हैं, थैला, झोला।

**खलतिक पुं.** (तत्.) पर्वत, पहाड़।

**खलना अ.क्रि.** (देश.) अखरना, अनुचित, अप्रिय या कष्टदायक प्रतीत होना, बुरा जान पड़ना, ठीक प्रकार से न फबना, खटकना प्रयो. मुझे उसकी अनुपस्थिति खल रही है स.क्रि. (देश.) 1. खरल में डालकर घोटना 2. नष्ट करना, पीस डालना।

**खलबलाना अ.क्रि.** (देश.) 1. खलबल शब्द करना 2. खौलना 3. उबलना, कुलबुलाना 4. हिलना, डोलना 5. विचलित होना, खड़बड़ाना।

**खलबलाहट स्त्री.** (देश.) बेचैनी, व्याकुलता, खलबली।

**खलबली स्त्री.** (देश.) हलचल, घबराहट, व्याकुलता मुहा. खलबली मचना- अशांति होना।

**खलल पुं.** (अर.) 1. रोक, अवरोध, रुकावट, बाधा 2. विकार।

**खलल-अंदाज वि.** (अर.) हस्तक्षेप या विरोध करने वाला, बाधा या खलल डालने वाला।

**खलल-अंदाजी स्त्री.** (अर.+फा.) बाधा डालने का कार्य।

**खलल-दिमाग वि.** (अर.) सनकी, पागल।

**खल-संसर्ग पुं.** (तत्.) दुष्ट या बुरे लोगों का साथ।

**खलाना स.क्रि.** (देश.) 1. खाली करना, पात्र में से भरी हुई चीज बाहर निकालना, गड़दा बनाना, जैसे कुँआ खोदना 2. सोने के पत्तर को कटोरी की तरह बनाना, किसी फूली हुई सतह को नीचे की ओर धंसाना, पिचकाना मुहा. पेट खलाना-

पेट पिचकाकर यह सूचित करना कि हम बहुत भूखे हैं।

**खलाल पुं.** (अर.) धातु आदि का बना नुकीला छोटा टुकड़ा जिससे दाँतों में फँसा हुआ अन्न आदि निकालते हैं स्त्री. (अर.) पूरी मात, पूरी बाजी की हार (ताश आदि के खेल में) मुहा. खलाल देना- मात करना।

**खलास वि.** (अर.) 1. खत्म, समाप्त 2. छूटा हुआ, मुक्त पुं. (अर.) 1. छुटकारा, मोक्ष, मुक्ति 2. वीर्यपात।

**खलासी स्त्री.** (अर.) मुक्ति, रिहाई, छुटकारा, छुट्टी पुं. (अर.) 1. जहाज पर या रेलगाड़ियों में छोटे-छोटे काम करने वाला मजदूर 2. तोपची।

**खलित वि.** (तद्.) स्थलित 1. चलायमान, चंचल, डिगा हुआ 2. अपने स्थान से हटा हुआ, गिरा हुआ 3. पतित 4. अस्पष्ट मुहा. खलित होना- वीर्य पात होना 5. गंजा, खल्वाट।

**खलिन पुं.** (तत्.) घोड़े की लगाम, वह लोह उपकरण जिससे लगाम बँधी रहती है।

**खलियान पुं.** (तद्.) दे. खलिहान, वह स्थान जहाँ फसल काट कर रखी और मांडी जाती है मुहा. खलियान करना- काटी हुई फसल का ढेर लगाना, नष्ट करना।

**खलियाना स.क्रि.** (देश.) 1. खाल उतारना, मृत पशु के शरीर की खाल खींचकर अलग करना 3. खाली करना।

**खलिश स्त्री.** (फा.) 1. चुभन, खटक 2. रंजिश, बैर, टीस, उलझन, फिक्क।

**खलिहान पुं.** (तद्.) वह स्थान जहाँ फसल काट कर रखी जाती है।

**खली स्त्री.** (तत्.) तेल निकाल लेने पर तिलहन की बची हुई सीठी जैसे- मवेशियों को खली खिलाई जाती है वि. (तत्.) 1. खलने या खटकने वाला, अनुचित और अप्रिय 2. जिसमें तलछट हो पुं. (तत्.) 1. महादेव 2. एक दानव जिन्हें वशिष्ठ जी ने मारा था।